16 गंगा नदी

उजली-उजली बर्फ पिघलकर,
बह निकली यह जल की धारा।
दुर्गम पथ से आगे बढ़ती,
हुई पूज्य, पूजा जग सारा।।

मुकुट देश का रजत हिमालय,
गंगा हृदयहार देश का ।
गंगा है पहचान देश की,
गंगा है आधार देश का।।

भारत के कोने - कोने में ,
गाते हैं सब इसके गान।
पतित - पावनी देवनदी यह,
लिखते विद्यापति विद्वान।।

क्रुद्ध हो रही गंगा मैया,
हम लोगों के पाप से।
तीव्र धार अवरुद्ध हो रही,
प्रदूषण के शाप से।।

इसकी कंचन छवि बनाती,
अपनी श्रद्धा की पहचान।
निर्मल रहे गंगा की सूरत,
रखना होगा इसका ध्यान।।

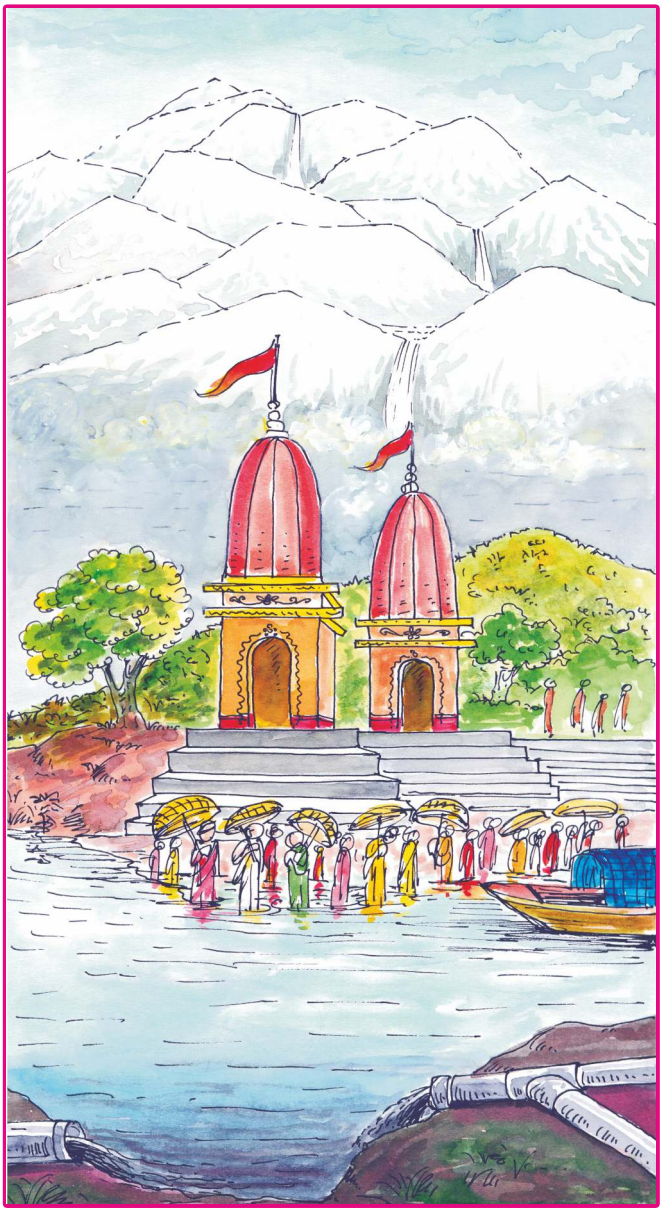

-पाठ्यपुस्तक विकास समिति

शब्दार्थ

रजत	-	चाँदी	**हृदयहार**	-	हृदय की माला, हार
क्रुद्ध	-	गुस्सा, क्रोधित	**अवरुद्ध**	-	रुका हुआ

अभ्यास

1. अपने बारे में बताइए –

(क) नदी में स्नान करने में आपको कैसा लगता है?

.....

(ख) आपको गन्दे पानी में स्नान करना अच्छा लगता है या साफ पानी में ? क्यों ?

.....

(ग) लोग किसी नदी या तालाब के जल को किस-किस तरह से गंदा करते हैं? क्या यह ठीक है?

.....

2. अपनी समझ से बताइए –

(क) गंगा की पूजा क्यों की जाती है ?

.....

(ख) हिमालय को रजत-मुकुट क्यों कहा गया है?

.....

(ग) गंगा नदी को देवनदी क्यों कहा गया है?

.....

(घ) गंगा नदी का पानी किस तरह से गंदा होता है?

.....

3. पाठ से बताइए –

(क) गंगा नदी कैसे बनी ?

.....

(ख) गंगा नदी को साफ बनाने के लिए क्या-क्या करना होगा?

.....

4. इनसे क्या समझे ?

(क) हुई पूज्य, पूजा जग सारा

.....

(ख) पतित पावनी देवनदी यह

.....

(ग) क्रुद्ध हो रही गंगा मैया

.....

5. मुझसे क्या समझे ?

(क) पूज्य ..... (ख) रजत .....

(ग) प्रदूषण ..... (घ) दुर्गम .....

(ङ) अवरुद्ध .....

6. मुझे सजाकर सही शब्द बनाइए –

(क) मा हि य ल .....

(ख) दी व दे न .....

(ग) चा ह प न .....

7. और भी कई नदियाँ हैं, बताइए जिनके नाम आप जानते हैं –

....

....

8. 'गंगा' से कई व्यक्ति या स्थान के नाम बने हैं, लिखें, जिन्हें आप जानते हैं–

व्यक्ति का नाम	स्थान का नाम
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

ऊपर लिखे गए सभी नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

9. मुझे वाक्य में प्रयोग करें -

(क) उजला .....

(ख) बर्फ .....

(ग) पथ .....

(घ) दुर्गम .....

(ङ) मुकुट .....

(च) भारत .....

(छ) निर्मल .....

(ज) पाप .....

10. अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही एवं पूरा वाक्य बनाइए -

(क) गंगा हिमालय से	पिघलती है।
(ख) बर्फ	गीत गाये हैं।
(ग) पूरे भारत में गंगा के	निकलती है।
(घ) कई कवियों ने गंगा के	ध्यान रखना होगा।
(ङ) गंगा को निर्मल रखने का	गीत गाये जाते हैं।

11. कविता की पंक्तियां पूरी करें -

(क) उजली-उजली ..... पिघलकर ,
..... निकली यह ..... की धारा।

(ख) ..... देश का रजत ..... ,
गंगा हृदयहार ..... का

(ग) ..... के कोने - कोने में ,
गाते हैं सब ..... गान।

(घ) क्रुद्ध हो रही .....
हम लोगों के ..... से।

12. गंगा नदी से हमें क्या-क्या लाभ हैं ?